इंडियन प्रेस, इलाहाबाद, 1986
पाठ्य निबंध : ईर्ष्या, काव्य में लोकमंगल की भावना, श्रद्धा और भक्ति

(ख) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : अशोक के फूल
लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2001
पाठ्य निबंध : अशोक के फूल, भरतीय संस्कृति की देन, एक कुत्ता और एक मैना।

संदर्भ ग्रंथ :

1. तनेजा, सत्येंद्र, *नाटककार जयशंकर प्रसाद*, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2000.
2. श्रोत्रिय, प्रभाकर, *जयशंकर प्रसाद : एक पुनर्मूल्यांकन*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1998.
3. सिंह, बच्चन, *हिंदी नाटक*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1997.
4. दास, ब्रजरत्न, *हिंदी नाट्य साहित्य*, हिंदी साहित्य कुटीर, वाराणसी, 2006.
5. ओझा, दशरथ, *हिंदी नाटक का उद्भव और विकास*, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली,1983.
6. तनेजा, जयदेव, *समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच*, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1995.
7. चातक, गोविंद, *आधुनिक नाटकों का मसीहा : मोहन राकेश*, राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली, 1998.
8. सिंह, उदयभानु, *आधुनिक गद्य की विधाएँ*, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2000.
9. तिवारी, रामचंद्र, *हिंदी निबंध और निबंधकार*, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली-2007.
10. त्रिपाठी, उमाकांत, *निबंध और निबंध*, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2000.
11. तिवारी, रामचंद्र, *हिंदी का गद्य साहित्य*, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2000.

SEMESTER-III

भाषाविज्ञान

Course Code	Course Name	L	T	P	CH	CR
HN 542	**भाषा विज्ञान**	**03**	**01**	**-**	**04**	**04**

कोर्स प्रतिफल (course outcome)

प्रस्तुत पत्र के अध्ययन से:

- भाषा एवं भाषा-विज्ञान का सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्षों का समग्र ज्ञान हो पाता है|
- भाषा-विज्ञान का अंतर-अनुशासनिक विषयों के साथ अंतर-संबंध एवं भाषिक कौशलों का बोध हो पाता है|
- भाष-विज्ञान के प्रमुख शाखाओं के स्वरूप एवं भाषिक-प्रक्रिया की गहरी समझ विकसित हो पाती है|
- ध्वनि-विज्ञान एवं रूप-विज्ञान के स्वरूप, परिभाषा एवं विविध पहलुओं का ज्ञान हो पाता है|
- वाक्य-विज्ञान और अर्थ-विज्ञान के द्वारा वाक्य एवं अर्थ के स्वरूप, संरचना, कारण एवं दिशाओं का बोध हो पाता है|

इकाई 1 : भाषा : अर्थ एवं परिभाषा, स्वरूप एवं उत्पत्ति, भाषा के विभिन्न रूप, भाषा के अभिलक्षण, लिखित एवं उच्चरित भाषा, भाषा और बोली।

इकाई 2 : भाषाविज्ञान : स्वरूप एवं परिभाषा, भाषा विज्ञान की शाखाएँ (मुख्य एवं गौण), भाषा वैज्ञानिक अध्ययन की प्रवृत्तियाँ – सामान्य और वर्णनात्मक, एककालिक

Controller of Examinations
Tezpur University
Tezpur, Assam

और बहुकालिक, सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त, तुलनात्मक और व्यतिरेकी, समाज भाषाविज्ञान और मनोभाषाविज्ञान भाषाविज्ञान का अन्य विषय के साथ संबंध।

इकाई 3 : (क) ध्वनि विज्ञान : स्वरूप एवं परिभाषा, शाखाएँ- उच्चारण, श्रव्य एवं यांत्रिक, वागेन्द्रिय एवं उच्चारण-प्रक्रिया, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि एवं स्वनिम में अंतर, ध्वनि परिवर्तन : कारण एवं दिशाएँ, स्वनिम : स्वरूप, परिभाषा, विशेषता, प्रकार एवं हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था ।

(ख) रूप विज्ञान : स्वरूप एवं परिभाषा, शब्द और पद, उपसर्ग और प्रत्यय, रूप-परिवर्तन : कारण एवं दिशाएँ, रुपिम : स्वरूप एवं प्रकार, संरूप ।

इकाई 4 : (क) वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा, अवयव, उपवाक्य, पदबंध, वाक्य के प्रकार, प्रोक्ति की अवधारणा, स्वरूप एवं प्रकार।

(ख) अर्थ विज्ञान : अर्थ की अवधारणा एवं प्रकृति, अर्थ परिवर्तन : कारण एवं दिशाएँ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. तिवारी, भोलानाथ, *भाषा-विज्ञान*, किताब महल, इलाहाबाद, 2002.
2. शर्मा, देवेंद्रनाथ, *भाषा-विज्ञान की भूमिका*, अनुपम प्रकाशन, पटना, 1986.
3. पाठक, रघुवंशमणि, *भाषा विज्ञान :हिंदी भाषा और लिपि*, संजय बुक सेंटर, वाराणसी, 2011.
4. सक्सेना, बाबूराम, *सामान्य भाषा विज्ञान*, हिंदी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद, 2005.
5. द्विवेदी, कपिलदेव, *भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र*, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2009.
6. तिवारी, उदयनारायण, *भाषाशास्त्र की रूपरेखा*, भारती भंडार, इलाहाबाद, 2004.
7. शर्मा, रामकिशोर, *आधुनिक भाषाविज्ञान के सिद्धांत*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005.
8. अग्रवाल, मुकेश, *हिंदी भाषा की संरचना*, के.एल.पचौरी प्रकाशन, दिल्ली, 2004.

SEMESTER-III

हिंदी आलोचना

Course Code	Course Name	L	T	P	CH	CR
HN 543	**हिन्दी आलोचना**	**03**	**01**	**-**	**04**	**04**

कोर्स प्रतिफल (course outcome)

प्रस्तुत पत्र के अध्ययन से:

- हिंदी आलोचना के इतिहास, परंपरा एवं दर्शन के साथ-साथ उसके विविध स्वरूपों तथा समीक्षात्मक विश्लेषण का बोध हो पाता है|
- हिंदी के आलोचकों एवं उनकी आलोचकीय दृष्टि का ज्ञान हो पाता है|
- रचनाओं एवं रचनाकारों के प्रति विद्यार्थियों में आलोचनात्मक विवेक पैदा हो पाता है|

Controller of Examinations
Tezpur University
Tezpur, Assam

1. श्रीवास्तव, रवींद्र, *प्रयोजनमूलक हिंदी*, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा, 1997.
2. सिंह, विजयपाल, *प्रयोजनमूलक हिंदी,* हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली, 1993.
3. भाटिया, कैलाश चंद्र, *राजभाषा हिंदी*, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली, 1996.
4. टंडन, पूरनचंद, *प्रशासनिक हिंदी*, पांडुलिपि प्रकाशन, दिल्ली, 1995.
5. टंडन, पूरनचंद, *आजीविका साधक हिंदी*, नमन प्रकाशन, दिल्ली, 2000.
6. श्रीवास्तव, गोपीनाथ, *सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.
7. झाल्टे, दंगल, *प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग*, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2004.
8. तरुण, रमेश, *प्रयोजनमूलक हिंदी,* साहित्य मंदिर, दिल्ली, 2005.
9. सिंघल, ओम प्रकाश, *प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिंदी*, जगतराम एंड सन्स, दिल्ली, 2010.
10. श्रीवास्तव, अर्चना, प्रयोजनमूलक हिन्दी: विविध आयाम,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी.
11. पाण्डेय, कैलाशनाथ, प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

A-3

हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार

Course Code	Course Name	L	T	P	CH	CR
HN 546	**हिन्दी पत्रकारिता और जनसंचार**	**03**	**01**	**-**	**04**	**04**

हिंदी पत्रकारिता का आरंभ भारतेंदु युग से ही हो जाता है। स्वाधीनता संग्राम में हिंदी पत्रकारिता की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। आधुनिक युग में हिंदी पत्रकारिता ने अपना विशेष स्थान बना लिया है। प्रस्तुत पत्र में हिंदी पत्रकारिता के विकास पर ध्यान रखते हुए जनसंचार में उसकी भूमिका से छात्रों का परिचय कराया जाएगा।

इकाई 1 :हिंदी पत्रकारिता का इतिहास :

भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी पत्रकारिता, हिंदी पत्रकारिता का वर्तमान स्वरूप।

इकाई 2 :समाचार संकलन एवं लेखन :

समाचार की अवधारणा एवं बुनियादी तत्त्व, समाचार संग्रह-पद्धति और लेखन प्रक्रिया, समाचार का वर्गीकरण- खोजी, व्याख्यात्मक, अनुवर्तन समाचार, संवाददाता, रिपोर्टिंग, प्रेसविधि।

इकाई 3 :जनसंचार : अवधारणा एवं अनुप्रयोग

संचार की परिभाषा, प्रक्रिया, परिधि एवं स्वरूप, जनसंचार, सत्ता और जनमत के अंत:संबंध, जनसंचार के माध्यम (दृश्य एवं श्रव्य)

इकाई 4 :विज्ञापन :

विज्ञापन की अवधारणा, स्वरूप एवं महत्त्व, भाषिक विशेषताएँ, सरकारी एवं व्यावसायिक विज्ञापन लेखन।

संदर्भ ग्रंथ :

1. पांडेय पृथ्वीनाथ, *पत्रकारिता : परिवेश और प्रवृत्तियाँ*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2004.
2. तिवारी, अर्जुन, *आधुनिक पत्रकारिता*, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2002.
3. राय, कृष्णकुमार, *गणेश शंकर विद्यार्थी और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन*, ग्रंथ शिल्पी प्रकाशन, दिल्ली, 2009.
4. तिवारी, अर्जुन, *हिंदी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास*, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007.

Controller of Examinations
Tezpur University
Tezpur, Assam

5. सेठी, रेखा, *विज्ञापन डॉट कॉम*, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012.
6. चतुर्वेदी, जगदीश्वर, *हिंदी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका*, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली, 1997.
7. वैदिक, वेदप्रताप, *हिंदी पत्रकारिता विविध आयाम*, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1999.
8. गुप्त, ब्रजमोहन, *जनसंचार विविध आयाम*, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2000.
9. इस्सर, देवेंद्र, *जनमाध्यम : संप्रेषण और विकास*, इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली, 2008.
10. मिश्र, कृष्ण बिहारी, *हिंदी पत्रकारिता*, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 1990.

A-4

अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत एवं अनुप्रयोग

Course Code	Course Name	L	T	P	CH	CR
HN 547	**अनुवाद विज्ञान : सिद्धान्त एवं अनुप्रयोग**	**03**	**01**	**-**	**04**	**04**

प्रयोजनमूलक हिंदी के अंतर्गत अनुवाद का विशेष महत्त्व है। राजभाषा हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं को समृद्ध करने के लिए अनुवाद महत्त्वपूर्ण माध्यम है। प्रस्तुत पत्र में विद्यार्थियों को अनुवाद के सिद्धांत एवं उसकी प्रक्रिया से परिचित कराते हुए अनुवाद के अनुप्रयुक्त पक्ष से उनका अभ्यास कराया जाएगा।

इकाई 1 : अनुवाद : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, प्रकृति एवं सीमाएँ, अनुवाद के प्रकार, अनुवाद की समस्याएँ।

इकाई 2 : अनुवाद की प्रक्रिया : स्रोत भाषा एवं लक्ष्य भाषा, विश्लेषण, अंतरण और पुनर्गठन, नाइडा, न्यूमार्क और बाथगेट का संदर्भ।

इकाई 3 : अनुवाद के उपकरण : कोश, पारिभाषिक शब्दावली, कंप्यूटर का उपयोग।

इकाई 4 : अनुवाद का अनुप्रयुक्त पक्ष : हिंदी से अंग्रेजी एवं अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से असमिया तथा असमिया से हिंदी अनुवाद का अभ्यास।

संदर्भ ग्रंथ :

1. तिवारी, भोलानाथ, *अनुवाद विज्ञान*, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 2002.
2. सोनटक्के, आदिनाथ, *अनुवाद सिद्धांत एवं प्रयोग*, चंद्रलोक प्रकाशन, दिल्ली, 1998.
3. राय, त्रिभुवन, *अनुवाद : स्वरूप एवं आयाम*, अनिल प्रकाशन, इलाहाबाद, 1988.
4. तिवारी, भोलानाथ, *अनुवाद-कला*, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1997.
5. जी.गोपीनाथन, *अनुवाद: सिद्धांत और प्रयोग*, भारती ग्रंथ निकेतन, दिल्ली, 1999.
6. कुमार, सुरेश, *अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा*, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1987.
7. अय्यर, एन.ई.विश्वनाथ, *अनुवाद-कला*, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, 1990.
8. टंडन, पूरनचंद, *अनुवाद शतक भाग-1, भाग-2*, भारतीय अनुवाद परिषद, 2000.
9. पालीवाल, सीताराणी, *अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य*, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2010.
10. सक्सेना, प्रदीप, *अनुवाद सैद्धांतिकी*, आधार प्रकाशन, पंचकूला, 2000.
11. अय्यर, एन.ई.विश्वनाथ, *अनुवाद भाषाएँ-समस्याएँ*, ज्ञान-गंगा, दिल्ली, 2011.

A-5

लघु शोध-प्रबंध / परियोजनाकार्य

Controller of Examinations
Tezpur University
Tezpur, Assam

Course Code	Course Name	L	T	P	CH	CR
HN 548	**लघु शोध-प्रबंध / परियोजना कार्य**	**00**	**00**	**06**	**00**	**06**

प्रस्तुत सत्र में निर्धारित पाठ्यक्रम के चारों पत्रों से संबंधित किसी एक विषय पर शिक्षक के निर्देशन में विद्यार्थी लघु शोध-प्रबंध / परियोजना कार्य प्रस्तुत करेंगे।

SEMESTER-IV

वैकल्पिक पत्र : **(B)**

(Elective Paper)

आधुनिक हिंदी साहित्य

Controller of Examinations
Tezpur University
Tezpur, Assam

इकाई 1 : कोशविज्ञान : कोश – अर्थ एवं परिभाषा, कोश के विविध नाम, कोश की उपयोगिता, कोश के प्रकार- शब्दकोश, विषय कोश एवं अन्य कोश, कोशविज्ञान का अन्य विषयों के साथ संबंध।

इकाई 2 : कोश-परंपरा : भारतीय कोश परंपरा (भारतीय भाषाओं के कोश), आभारतीय कोश परंपरा (विदेशी भाषा-हिन्दी भाषा कोश), हिन्दी कोश परंपरा एवं अन्य विषयगत कोश-परंपरा।

इकाई 3 : कोश निर्माण- प्रक्रिया : सामग्री संकलन, प्रविष्टि चयन, प्रविष्टि संरचना, प्रविष्टि-व्यवस्था। कोश निर्माण की समस्या।

इकाई 4 : शब्दकोश-अभ्यास : शब्दकोश को वर्ण-क्रम के अनुसार व्यवस्थित करना और पढ़ना।

संदर्भ ग्रंथ :

1. तिवारी,भोलानाथ, कोशविज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद ।
2. सिंह, रामआधार, कोशविज्ञान, उच्च शिक्षा और शोध संस्थान, मद्रास।
3. सं. वर्मा, रामचन्द्र, संक्षिप्त हिन्दी शब्दसागर, नागरी प्रचारिणी सभा,काशी ,1971 ।
4. शुक्ल,रमाशंकर, भाषा-शब्द-कोष, रामनरायनलाल बेनीप्रसाद, इलाहाबाद ,1977 ।
5. अग्रवाल,गिरिजाशरण और अग्रवाल,मीना, हिन्दी साहित्यकार संदर्भ कोश, हिन्दी साहित्य निकेतन,1997 ।

C-5

लघु शोध-प्रबंध/परियोजनाकार्य

Course Code	Course Name	L	T	P	CH	CR
HN 558	**लघु शोध-प्रबंध / परियोजना कार्य**	**00**	**00**	**06**	**00**	**06**

प्रस्तुत पत्र में निर्धारित पाठ्यक्रम के चारों पत्रों से संबंधित किसी एक विषय पर शिक्षक के निर्देशन में विद्यार्थी लघु शोध-प्रबंध/परियोजना कार्य प्रस्तुत करेंगे ।

Controller of Examinations
Tezpur University
Tezpur, Assam